सुभाष पालेकर प्राकृतिक खेती जन आंदोलन गुजरात द्वारा जूनागढ कृषि युनिवर्सिटी में आयोजित दो दिवसीय अधिवेशन में गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत जी का संबोधन।
(15092019)

- जूनागढ़ विश्वविद्यालय के इस सभागार में आप सभी से मिलकर आप से संवाद करने का मुजे जो अवसर मिला है, इसके लिए मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूँ।
- जैसा की अभी माननीय सुभाष पालेकरजीने बताया कि मैं लगभग 35 वर्ष तक प्रधानाचार्य के रूप में गुरुकुल, कुरुक्षेत्र, हरियाणा में बालकों को पढ़ाता रहा तथा में खेती भी करता रहा। इसीलिए में किसान भी हूँ। गुरुकुल में मेरे पास 200 एकड़ जमीन है तथा 300 गाय है। वहाँ मैंने कुछ व्यवहारिक प्रयोग किए है जिनके परिणामों से में बहुत प्रभावित हुआ हूँ और मेंने निश्चय किया है कि इन प्रयोगों के बारे में मैं पूरे देश के किसानों को बताऊंगा। मेरे सभी भाषण में इसी विषय पर मैं बात करूंगा।
- भाइयों और बहनों। जैसा की आपने अनुभव किया है कि सुभाष पालेकर प्रस्तावित कृषि पद्धति से खेत का उत्पादन कम नहीं होता है और उसकी लागत भी शून्य हो जाती है। हमारे भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्रीमान नरेन्द्र मोदीजी ने यह घोषणा की थी की भारत के किसानों की आय

2022 तक दोगुनी होनी चाहिए। यह क्षमता सुभाष पालेकर जी की प्राकृतिक कृषि पद्धति में ही विद्यमान है।

- एक समय था जब भारत में अन्न का अभाव हो गया था। हरित क्रान्ति के नाम पर रसायणों का प्रयोग करके हमारे कृषि वैज्ञानिको ने बड़ी सफलता प्राप्त करके उत्पादन में वृद्धि की थी तथा लोगों के पेट भरने का काम बड़ी सफलता से पूर्ण हुआ था। इस उपलब्धि के लिए हम हमारे कृषि वैज्ञानिको के आभारी है।
- जिस रासायनिक खेती को लेकर हमारे किसान कभी लाभान्वित हो रहे थे वहीं कृषि पद्धति धीरे-धीरे हमारे लिए बोज बनती जा रही है और इस पद्धति के नुकशान हमें स्पष्टरूप से दिखाई दे रहे है। एक समय था जब 10-20 किलो प्रति एकड़ यूरिया तथा डीएपी हम खेतों मे डालते थे और हमारे खेतों का उत्पादन बढ़ता रहता था।
- मगर आज परिस्थिति यह है की हम यूरिया तथा डीएपी कितनी भी मात्रा में खेतो मे डाले, हमारा उत्पादन घट गया है तथा खेती की लागत बढ़ गई है। हमारे किसान कर्ज में डुबे जा रहें हैं और परेशान हैं। यूरिया तथा डीएपी के अवास्तविक उपयोग से हमारी जमीने बंजर बन गई है तथा उनकी उर्वरा शक्ति नष्ट हो चुकी है।

- मेरे किसान बंधुओं। गुजरात में हमने सुभाष पालेकर जी आधारित प्राकृतिक कृषि को आगे बढ़ाने का अभियान शुरू किया है। हमारे प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्रीजी किसानों के हित में इस मिशन को पुरा करने की इच्छा रखते है। इस पद्धति से जमीन बचेगी, पर्यावरण बचेगा, पानी बचेगा, स्वास्थ्य बचेगा, गौ-संवर्धन होगा तथा किसानों की आय दोगुनी होगी। पुरी ईमानदारी से आप इस कृषि पद्धति को अपनाएंगे तो आपको जरूर लाभ ही होगा।
- हिमाचल प्रदेश में हमने इस मिशन को चलाया था तथा हमारा लक्ष्य था कि एक साल में हम 500 किसानों को इसके साथ जोड़ेंगे, मगर वहाँ के किसानों के उत्साह इतना बड़ा था कि लगभग 10,000 किसान इस पद्धति के साथ पहले ही वर्ष में जुड़ गए।
- गुजरात की धरती बड़ी ही सौभाग्यशाली और पावन धरती है जिसने महात्मा गांधी जी, सरदार वल्लभभाई पटेल, महान समाज सुधारक तथा समाज सेवक श्री दयानंद सरस्वती जी तथा वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी जैसे महानुभावों को जन्म दिया है। इसी पावन धरती से प्राकृतिक कृषि का अभियान आगे बढ़ेगा और किसानों की आय दोगुना होगी तो यह हम सभी के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। धन्यवाद।